सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 278 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 16 नवम्बर, 2024

मूल्य ₹ 3/-

भारत सौ से भी अधिक समस्याओं वाला देश हो सकता है, लेकिन ये बिलियन सोलुशंस वाला देश भी है।

-कैलाश सत्यार्थी

भारत की टी-20 में तीसरी सबसे... 7 | राहुल के नारे, बीजेपी को दिन... 3 | सीएम वस्त्रों से योगी हैं विचारों... 2

यह मौत नहीं, हत्या है

सरकार की नाकामी से धू-धू कर जल गए दस मासूम बच्चे

» सीएम बिजी है बंटोगे तो कटोगे का नारा देने में

» अगर अलार्म बज जाता तो बच जाते बच्चे

» सालों से फायर उपकरणों को देखने वाला नहीं था कोई

» मीडिया से बात न करने की मिल रही धमकी

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

झांसी। चारों ओर बच्चों की चीत्कार! मांओं की रोने की आवाजें ! दृश्य ऐसा की देखकर आत्मा भी रो पड़े। सत्ता में बैठें लोगों की लापरवाही व अनदेखी से एकबार फिर यूपी में कई मासूमों की मौत अस्पताल में आग लगने से हो गई। यूपी के सीएम व जिम्मेदार लोग बंटोंगे-कटोगे की चुनावी भाषणों से भड़काने में लगे रहे और लापरवाह सिस्टम की भड़की आग में प्रदेश का भविष्य राख हो गया। दरअसल, झांसी मेडिकल कालेज के चिल्डेर्न वार्ड में शार्ट सर्किट से लगी आग में 10 बच्चे जलकर मर गए। लगभग 39 बच्चे घायल हैं जो जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। बच्चों की मौत पर योगी सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है।

सबसे हैरानी की बात यह थी आग लगने पर अस्पताल के कर्मी पीछे से भाग रहे थे। जो परिजन मीडिया से बात कर रहे थे उन्हें बातचीत न करने की धमकी तक दी जा रही थी। सपा , बसपा व कांग्रेस ने दोषियों के खिलाफ सजा की मांग उठाई है। झांसी मेडिकल कॉलेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सचिन माहोर ने बताया, शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी, उस समय 49 बच्चे वहां दाखिल थे, 39 बच्चों को रेस्क्यू कर लिया गया, सभी बच्चों की हालत स्थिर है. घटना में 10 बच्चों की मौत हुई है, जिनमें से 3 बच्चों की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

मुख्यमंत्री जी चुनाव प्रचार छोड़कर चिकित्सा की बदहाली पर ध्यान दीजिए : अखिलेश

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि झांसी मेडिकल कॉलेज में आग लगने से 10 बच्चों की मृत्यु एवं कई बच्चों के घायल होने का समाचार बेहद दुखद एवं चिंताजनक है। सबके प्रति संवेदनात्मक श्रद्धांजलि। आग का कारण 'ऑक्सीजन कॉन्सट्रेटर' में आग लगना बताया जा रहा है। ये सीधे-सीधे चिकित्सा प्रबंधन व प्रशासन की लापरवाही का मामला है या फिर खराब क्वालिटी के आक्सीजन कॉन्सट्रेटर का। इस मामले में सभी जिम्मेदार लोगों पर दंडात्मक कार्रवाई हो। उन्होंने आगे कहा, मुख्यमंत्री जी चुनावी प्रचार छोड़कर, 'सब ठीक होने के झूठे दावे' छोड़कर स्वास्थ्य और चिकित्सा की बदहाली पर ध्यान देना चाहिए।जिन्होंने अपने बच्चे गंवाएं हैं, वो परिवार वाले ही इसका दुख-दर्द समझ सकते हैं। ये सरकारी ही नहीं, नैतिक जिम्मेदारी भी है। आशा है चुनावी राजनीति करनेवाले पारिवारिक विपदा की इस घड़ी में इसकी सच्ची जाँच करवाएंगे और अपने तथाकथित स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्रालय में ऊपर-से-नीचे तक आमूलचूल परिवर्तन करेंगे। अखिलेश ने आगे लिखा, उप्र के 'स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री' से कुछ नहीं कहना है क्योंकि उन्हें के कारण स्वास्थ्य एवं चिकित्सा व्यवस्था की इतनी बदहाली हुई है। संकीर्ण-साम्प्रदायिक राजनीति की निम्न स्तरीय टिप्पणियां करने में उलझे मंत्री को तो शायद ये भी याद नहीं होगा कि वो 'स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री' हैं।

एक्सपायरी डेट के थे आग बुझाने वाले सिलेंडर

झांसी मेडिकल कॉलेज हादसे पर एक बड़ा खुलासा हुआ है, इस अस्पताल में आग बुझाने वाले सिलेंडर एक्सपायरी डेट के थे। अब इस मामले को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं।

अपने मासूमों को बेबस होकर ढूंढ रहे थे माता-पिता

जिनकी बच्चे चिल्ड्रन वार्ड में भर्ती थे आग लगने के बाद से उनका पता नहीं है। एक मां का कहना है उनका बच्चा 10 दिन का था उन्हें पता नहीं है कि वह जिंदा है कि मर गया, उन्हें जले हुए बच्चे दिखाए गए जिनकी पहचान वह नहीं कर सकी। एक बच्चे का पिता जिसे खुद कई बच्चों की जान बचाई उसका बच्चा नहीं मिल रहा है। कुलदीप का कहना है मैं खुद अपने हाथों से चार-पांच बच्चों को बचाया, अब मेरे मेरा बच्चा खुद नहीं मिल रहा है, मुझे मेरा बच्चा मिलना चाहिए। एक बच्चे की नानी माया कहती हैं कि अभी तक बच्चा नहीं मिला है मेरा नाती था अंदर किसी को नहीं जाने दिया। मेरा नाती मशीन में रखा था। लड़की दूध पिलाने गयी तो उसने हल्ला किया कि आग लगी है। सभी लोग दौड़े, खिड़की तोड़ी, किसी ने कांच तोड़ा जिसके हाथ में जो बच्चा आया उसने उसे बचाया।

जिसके हाथ में जो बच्चा आया उसने उसे बचाया

प्रियंका ने जताया दुख

झांसी मेडिकल कॉलेज अग्निकांड पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने एक्स पर लिखा-झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज से दहला देने वाली खबर आई है, जहां नवजात शिशुओं के सघन चिकित्सा कक्ष में आग लग जाने की वजह से दस बच्चों की मौत हो गई है। शोक और सांत्वना के शब्द इस महाविपत्ति के समय व्यर्थ हैं। हम लोग इस मुश्किल परिस्थिति में परिजनों और अभिभावकों के साथ खड़े हैं।

केन्द्र व राज्य ने किया मुआवजे का एलान

झांसी के मेडिकल कॉलेज हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताते हुए कहा झांसी के मेडिकल कॉलेज में आग लगने से हुआ हादसा मन को व्यथित करने वाला है। वहीं पीएमओ की तरफ से मृतक बच्चों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक मदद का ऐलान किया है। उधर यूपी के सीएम योगी ने मृतकों को 5-5 लाख व घायलों को 50-50 हजार देने की बात कही है।

झांसी हादसे के दोषियों पर हो कार्रवाई: खरगे

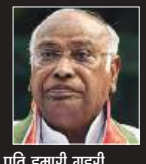

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- उत्तर प्रदेश के झांसी के मेडिकल कॉलेज में हुए हादसे में मासूम शिशुओं की मौत का समाचार बेहद पीड़ादायक है. इस हृदयविदारक हादसे में मृत सभी बच्चों के परिजनों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं. ईश्वर उनके परिवारों को ये दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करे, उन्होंने आगे कहा, हम सरकार से मांग करते है कि इस हादसे के कारणों की जांच हो और जो भी ऐसी लापरवाही का दोषी हो, उसपर सख्त कानूनी कार्रवाई हो।

दोषियों को सख्त सजा जरूरी : मायावती

झांसी हादसे पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर लिखा-यूपी, झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कालेज में आग लगने से 10 नवजात बच्चों की मौत की अति-दुखद घटना से कोहराम व आक्रोश स्वाभाविक। ऐसी घातक लापरवाही के लिए दोषियों को सख्त कानूनी सजा जरूरी. ऐसी घटनाओं की भरपाई असंभव फिर भी सरकार पीड़ित परिवारों की हर प्रकार से मदद जरूर करे।

सीएम वस्त्रों से योगी हैं विचारों से नहीं : अखिलेश

» कहा- सपा की जनसभा में उमड़ी जनता को देखकर अब सीएम करेंगे योग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जैसे-जैसे उपचुनाव के मतदान की तारीख करीब आ रही सपा नेता व पूर्व सीएम अखिलेश यादव व सीएम योगी में वार-पलटवार तेज हो गया है। करहल से सपा प्रत्याशी तेजप्रताप यादव के लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने घिरोर के चापरी मैदान पर जनसभा को संबोधित किया। उनके निशाने पर सीएम योगी और भाजपा रही। उन्होंने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ केवल वस्त्रों से योगी हैं, विचारों से नहीं। कहा कि सपा की जनसभा में उमड़ी जनता को देखकर अब योगी योग ही करेंगे। उन्होंने सपा को राष्ट्रीय पार्टी बनाकर नेताजी का सपना पूरा करने की बात कही।

पूर्व सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश की नौ सीटों पर उप चुनाव हो रहा है, लेकिन सरकार ने मान लिया है कि वे ये चुनाव नहीं जीतेंगे। इस बार सपा सौ प्रतिशत सीटें जीत रही है। उन्होंने कहा कि जीत का ये चुनाव ऐसा हो गया है कि भाजपा के लोग अब पीडीए की जगह डीएपी भी नहीं पढ़ पा रहे हैं। किसानों को आज डीएपी की आपूर्ति सरकार नहीं कर पा रही है। जिन सीटों पर चुनाव हैं, वहां थोड़ी बहुत डीएपी भेजी जा रही है, लेकिन करहल में बिल्कुल डीएपी नहीं भेजी जा रही है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा वाले पीडीए का फुल फॉर्म बताते थे अब वे डीएपी का भी फुल फॉर्म बता दें। खाद की बोरी का वजन कम करने पर तंज कसते हुए कहा कि पहले भाजपा सरकार बोरी में चोरी करती थी, लेकिन अब बोरी ही गायब कर दी है। पूर्व सीएम यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा कि डीएपी की आपूर्ति इसलिए नहीं की जा रही है ताकि बाद में उद्योगपति मित्रों से मिलकर बाहर से अनाज मंगाकर मोटा मुनाफा कमा सकें।

भाजपा के रैलियों में नहीं पहुंचे लोग

बरनाहल में प्रस्तावित डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की जनसभा पर भी अखिलेश ने भाजपा को घेरा है। उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम को जब पता चला कि जनसभा में कोई नहीं है तो उन्होंने सभा निरस्त कर दी। कहा कि सीएम योगी बारूद की सुरंग खोद रहे हैं और उनके अपने उनकी कुर्सी छीनने के लिए सुरंग खोद रहे हैं।

भाजपा वाले अंग्रेजों के वचनवंशी और विचारवंशी हैं

बटेंगे को कटेंगे के नारे पर बोलते हुए अखिलेश ने कहा कि सीएम ने ये नारा अंग्रेजों से सीखा है। भाजपा वाले अंग्रेजों के वचनवंशी और विचारवंशी हैं। भाजपा बांटकर राजनीति करना चाहती है, जबकि सपा पीडीए से जोड़कर राजनीति करना चाहती है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र का परिणाम आने के बाद उत्तर प्रदेश की कुर्सी से भी बदलाव होना शुरू हो जाएगा। इस दौरान सांसद डिंपल यादव और सपा प्रत्याशी तेजप्रताप यादव मौजूद रहे।

श्रीराम के प्रति जिनकी आस्था नहीं, उन्हें त्याग दें : योगी

सीएम ने सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि जो लोग राम के नहीं हैं वह किसी काम के नहीं हैं। यह राम भक्तों पर गोली चलाने वाले लोग हैं। इन्हें अच्छे हे पहचाने रखना है। भगवान राम के प्रति जिसकी आस्था नहीं है वह भले ही हमारा मित्र, रिश्तेदार या संबंधी क्यों न हो, उसे किसी दुश्मन की तरह छोड़ देना चाहिए। कांग्रेस व सपा पर आरोप लगाते हुए सीएम ने कहा कि यह लोग जनता को गुमराह करते हैं। यह राम की परंपरा को अपमानित करने वाले हैं। किसानों, युवाओं एवं व्यापारियों के साथ अन्याय करने वाले लोग हैं। यह बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाते हैं। इन्हें आगे मौका नहीं देना है। असल में सपा डॉ. लोहिया व आचार्य नरेंद्रदेव जैसे आदर्शों से भटक गई है। अब उसके आदर्श दूसरे हो गए हैं।

योगी जी तेजप्रताप से एक इंच छोटे हैं

सपा अध्यक्ष ने कहा कि कुछ दिन पहले सीएम योगी करहल क्षेत्र में जनसभा करने आए थे। उन्होंने सपा प्रत्याशी तेजप्रताप का नाम तक नहीं पढ़ा। अगर वह उनका नाम पढ़ लेते तो ऐसा भाषण देकर नहीं जाते। तेजप्रताप को जिताकर अगर करहल के लोग विधानसभा भेजे देंगे तो वे अपनी लंबाई का नाप सीएम योगी आदित्यनाथ के कद के साथ भी कर लेंगे। उन्होंने कहा कि वे विधानसभा में रहे हैं, इसलिए उन्हें पता है कि योगी जी तेजप्रताप से एक इंच छोटे हैं।

एनडीए का पहला शब्द ही नेगेटिव

उन्होंने कहा भाजपा और एनडीए वाले नकारात्मक लोग हैं। तभी एनडीए में पहला अक्षर एन नेगेटिव है। वहीं पीडीए में पहला अक्षर पी प्रोग्रेसिव और पॉजिटिव है। इसी कारण एनडीए नकारात्मक राजनीति करती है जबकि पीडीए सकारात्मक राजनीति करती है।

भाजपा संथाल को झारखंड से अलग करना चाह रही : सोरेन

सीएम की जनता से अपील- ऐसी ताकतों को बाहर निकालें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर संथाल परगना क्षेत्र को राज्य से अलग करने की साजिश रचने का आरोप लगाया और लोगों से ऐसी ताकतों को बाहर निकालने का आग्रह किया।

संथाल परगना झारखंड के प्रमंडलों में से एक है और इसका मुख्यालय दुमका में है। इस प्रमंडल में राज्य के उत्तरपूर्वी हिस्से के छह जिले गोड्डा, देवघर, दुमका, जामताड़ा, साहिबगंज और पाकुड़ शामिल हैं।भाजपा सत्तारूढ़ झामुमो और उसके सहयोगियों पर बांग्लादेश से घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाती रही है। राज्य में भाजपा के लिए घुसपैठ एक प्रमुख चुनावी मुद्दा है। सोरेन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, संथाल परगना को झारखंड से अलग करने की साजिश रचने वाली सांप्रदायिक ताकतों (भाजपा) को यहां से खदेड़ना होगा। हम फिर से अपनी सरकार बनाएंगे और झारखंड को समृद्ध बनाएंगे।

इस चुनाव में भाजपा को मिलेगा करारा जवाब

सोरेन ने दावा किया कि भाजपा 1932 की खतियान-आधारित अधिवास नीति का समर्थन करने वालों को बांग्लादेशी घुसपैठिए या आईएसआई का एजेंट बता रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेताओं को इस चुनाव में राज्य के लोगों से करारा जवाब मिलेगा। वर्ष 2022 में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने फैसला किया है कि जिन लोगों के पूर्वज 1932 से पहले राज्य में रह रहे थे और जिनके नाम उस वर्ष के भूमि रिकॉर्ड में शामिल थे, उन्हें झारखंड का स्थानीय निवासी माना जाएगा और उन्हें सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता दी जाएगी।एक साथ डाली गई कई पोस्ट में झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष ने भाजपा पर पूरे पांच साल के कार्यकाल के दौरान उनकी सरकार के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया।

सीएम योगी झांसी की घटना के जिम्मेदार : अजय राय

» कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले- काम नहीं हो रहा है, सिर्फ बाते हो रहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। झांसी मेडिकल कॉलेज हादसे पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अजय राय ने कहा, कि यह बहुत दुखद घटना है, मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं, मुझे लगता है कि यह बहुत दुखद घटना है।

उत्तर प्रदेश में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, वाराणसी में भी ऐसा हुआ। यह सरकार केवल जांच के आदेश दे रही है,योगी आदित्यनाथ पूरे देश में जाकर नफरत की राजनीति कर रहे हैं, उन्हें उत्तर प्रदेश के लोगों ने जिम्मेदारी दी है कि वे लोगों की देखभाल करें और उनकी मदद करें, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है केवल नफरत की राजनीति हो रही है। लोगों को परेशान किया जा रहा है, काम नहीं हो रहा है. यह सरकार अफसरों के भरोसे चल रही है, उत्तर प्रदेश सरकार और सीएम योगी खुद इसके (आग दुर्घटना) जिम्मेदार हैं।

झारखंड चुनाव में दो विचारधाराओं के बीच है मुकाबला : तेजस्वी यादव

» चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राजद नेता ने भाजपा पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवघर (झारखंड)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने झारखंड चुनाव को दो विचारधाराओं के बीच मुकाबला करार देते हुए कहा कि एक विचारधारा नफरत और विभाजन जबकि दूसरी प्रेम, विकास और संवैधानिक संरक्षण पर केंद्रित है।

देवघर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली सरकार को गिराने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा 2019 में सरकार बनाने के अपने प्रयासों में विफल रही थी, जिसके बाद उसने राज्य सरकार को अस्थिर करने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल किया था। यादव ने कहा, यह चुनाव दो विचारधाराओं के बीच मुकाबला के बीच मुकाबला है। एक विचारधारा नफरत और विभाजन जबकि दूसरे प्रेम, विकास और संवैधानिक संरक्षण पर केंद्रित है।

राहुल के नारे, बीजेपी को दिन में दिखा रहे तारे !

हम दो हमारे दो के बाद, खाली किताब ने उड़ाई मोदी की नींद

» कांग्रेस नेता के ताजा आक्रमण से भाजपा में बेचैनी

» नेता प्रतिपक्ष के कई ऐसे नारे जिन्होंने बीजेपी को पटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी की लाल किताब से बीजेपी इतनी डर चुकी है कि वह इसे किसी भी कीमत पर एक बार फिर से मुद्दा नहीं बनने देना चाहती। महाराष्ट्र के चुनाव सिर पर है और झारखंड में इंडिया गठबंधन के पक्ष में पहले चरण के चुनाव में हो चुकी वोटों की बारिश का रूझान सामने आ रहा है। ऐसे में यदि संविधान की लाल किताब राष्ट्रीय फलक पर चमक बिखेरती है तो बीजेपी का सिमटना तय माना जा सकता है। यही कारण है कि राहुल गांधी की लाल किताब पर अब बीजेपी की तरफ से खाली किताब का पलटवार हुआ तो इसे भी राहुल गांधी ने खूबसूरती के साथ बीजेपी की तरफ मोड़ दिया।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जब भी सार्वजनिक बैठकों में संविधान का उल्लेख करते हैं, तो वह इसे खाली बताते हैं। उनके लिए संविधान इसलिए खाली है क्योंकि उन्होंने जीवन में कभी संविधान को ठीक से पढ़ा ही नहीं है। इस बयान से बीजेपी बौखला गयी और उसने अपने छोटे बड़े सभी नेताओं को इस बयान को कंडम करने क लिए लगा दिया। नलिन कोहली हो या फिर राष्ट्रीय प्रवक्ता आर.पी. सिंह, सीएम योगी हो या फिर केन्द्रीय नेता। राहुल गांधी के इस बयान के खिलाफ बयान जारी करते दिखायी दिये।

भाजपा जहां जाएगी नफरत वहां आएगी : राहुल गांधी

महाराष्ट्र चुनाव के प्रचार के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मणिपुर की स्थिति को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज तक मणिपुर का दौरा नहीं कर पाए हैं। वह हर किसी को लड़ाते रहते हैं और हर किसी को बांटते रहते हैं। जबकि देश के संविधान ने सबको समान अधिकार दिया है। पर भाजपा व आरएसएस ने संविधान को हटाना चाहती है। अपनी भारत जोड़ो यात्रा की तुलना करते हुए उन्होंने कहा, हमने 4000 किलोमीटर की भारत जोड़ो यात्रा की। हमें इसकी क्या जरूरत थी? इस यात्रा में नारा दिया गया था हमें नफरत के बाजार में प्यार की दुकान खोलनी है। लेकिन वे (भाजपा) जहां भी जाते हैं, नफरत फैलाते हैं। वे एक राज्य को दूसरे से लड़वाते हैं। मणिपुर को देखिए - आज वहां क्या स्थिति है?

बीजेपी को फिर होगा नुकसान!

राजनीतिक विषलेशक ध्रुवकांत त्रिपाठी कहते हैं कि इस नारे की काट तो दूर इस नारे के इर्द गिर्द भी बीजेपी नही पहुंच पायी है। वह कहते हैं कि सम्पूर्ण भारतवासी इस नारे के साथ है। अगड़ा पिछड़ा सब यही चाहते हैं कि देश संविधान से चले, देश मैं की नहीं हम की भावना के साथ आगे बड़े। वह कहते हैं कि अगर यह नारा दोबारा से चला तो बीजेपी को इस चुनाव में भी सूपड़ा साफ हो जाएगा और सीएम योगी के सामने इस चुनाव को जीतना एक बड़ी चुनौती बन जाएगी।

राहुल के नारों ने बदल दिया समा

डरो मत: राहुल गांधी के नारे डरो मत ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। यह नारा उस समय दिया गया था जब लग रहा था कि राहुल गांधी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। 2019 के चुनाव अभियान के दौरान मोदी सरकार पर भ्रष्टाचार और लूट को उजागर करने के इरादे से दिए गए उनके बयान के लिए आपराधिक मानहानि कानूनों के तहत मोदी उपनाम का मामला दर्ज किया गया था। उसके बाद सूरत की एक अदालत द्वारा दोषी ठहराया गया था। उस दरम्यिान राहुल गांधी ने मंच से डरो मत नारा दिया। हम दो, हमारे दो- राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कारपोरेट कंपनियों से केन्द्र सरकार के रिश्तों को उजागर करने वाली थीम चुनी और देश के दो बड़े औद्योगिक घरानो को केन्द्र बिंदू रखते हुए हम दो, हमारे दो नारे को गढ़ा। यह नारा भी खूब चमका और लोगों ने मजे लिये। इस तरह के स्लोगन सरकारे 80–90 के दशक में परिवार नियोजन के लिए इस्तेमाल किया करती थी। यह नारा लोगों के दिलो दिमाग में चिपक गया। लाल किताब-इस लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी एक लाल किताब लेकर आये और संविधान की बात करने लगे। किसी भी राजनीतिक पंडित को नहीं लगा कि यह नारा इंडिया गठबंधन की तकदीर बदलने वाला है। देखते ही देखते समा बदल गया और राजनीतिक पिच भी। बीजेपी ने भी माना कि वह नारे का जवाब नहीं दे पायी और चुनाव हार गयी। यूपी में राजीनतिक आक्सीजन की तलाश में सपा का उदय राष्ट्रीय पार्टी के तौर पर हो गया और वह देश की बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गयी। उसे 35 सीटें मिली। और अयोध्या में उसका प्रत्यायी जीत गया। अयोध्या की हार से बीजेपी अंदर तक हिल गयी और वह इस नारे की काट में लग गयी।

महाराष्ट्र में बंटोगे तो कटोगे बयान पर बीजेपी में ही रार

महाराष्ट्र में बंटोगे तो कटोगे बयान को लेकर योगी केवल विपक्ष के ही निशाने पर नहीं हैं उनके सहयोगी भी उनसे किनारा कर रहे हैं। जहां उनकी पार्टी के अशोक चव्हाण ने इस नारे को गलत बताया वहीं इससे पहले पंकजा मुंडे व अजित पवार भी बेबुनियाद बताया था। हालांकि डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इसका समर्थन किया है। उन्होंने कहा है कि उद्धव ठाकरे के लिए भाजपा के दरवाजे बंद हो चुके हैं। महाराष्ट्र में पार्टी भविष्य में उनके साथ नहीं जाएगी। शिंदे को सीएम बनाने की जानकारी मुझे पहले से थी। मैं मुख्यमंत्री या अध्यक्ष किसी भी रेस में नहीं हूं। फडणवीस ने कहा कि एनीसीपी (शरद गुट) चीफ शरद पवार परिवार और पार्टी तोड़ने के मामले में महारथी हैं। एनसीपी और शिवसेना अपनी अति महत्वाकांक्षाओं के कारण टूटीं। उद्धव CM बनना चाहते थे, इसलिए उन्होंने हमसे नाता तोड़ लिया। मुख्यमंत्री बनने के बाद वे आदित्य ठाकरे को आगे लाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने एकनाथ शिंदे को सफोकेट करने की कोशिश की। उन्होंने बंटेंगे तो कटेंगे नारे का महायुति और भाजपा में हो रहे विरोध पर कहा- मुझे योगी जी के नारे में कुछ भी गलत नहीं लगता। इस देश का इतिहास देख लीजिए, जब-जब इस देश को जातियों, प्रांतों और समुदायों में बांटा गया, यह देश गुलाम हुआ है।

कांग्रेस का चरित्र विकास में बाधा उत्पन्न करना : मोदी

उधर प्रधानमंत्री मोदी ने मुंबई के शिवाजी पार्क में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) राज्य में लोगों को बांटने पर केंद्रित हैं। उन्होंने कहा, आजादी के बाद दशकों तक केंद्र में और यहां भी दशकों तक कांग्रेस की सरकार रही। लेकिन उन्होंने मुंबई के लिए कोई भविष्य की योजना बनाने की जहमत नहीं उठाई। इसका नतीजा यह हुआ कि मुंबई लगातार पिछड़ती चली गई। कांग्रेस का चरित्र मुंबई के चरित्र के ठीक उलट है। मुंबई का चरित्र ईमानदारी और कड़ी मेहनत है। मुंबई का चरित्र आगे बढ़ने की ललक है। लेकिन कांग्रेस का चरित्र भ्रष्टाचार है। कांग्रेस का चरित्र देश को पीछे धकेलना है। कांग्रेस का चरित्र विकास में बाधा उत्पन्न करना है। 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 20 नवंबर को होगा, जबकि मतगणना 23 नवंबर को होगी।

बैग चेकिंग पर मचा है बवाल

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का हेलीकॉप्टर नासिक में उतरते ही चुनाव आयोग ने उनके बैग की जांच की। कांग्रेस प्रमुख आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए राज्य में प्रचार कर रहे हैं। बुधवार को अहमदनगर के श्रीगोंडा में उद्धव ठाकरे का बैग दोबारा चेक किया गया था। यह तीसरी बार है कि चुनाव आयोग के अधिकारियों ने शिवसेना नेता के बैग की जांच की है। बुधवार को, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बैग की जांच चुनाव कर्मियों द्वारा की गई, जब वह चुनाव प्रचार के लिए यात्रा करने के लिए हेलीकॉप्टर पर सवार थे, और राकांपा नेता ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए ऐसे उपायों की आवश्यकता है। बुधवार को पवार के एक्स हैंडल पर पोस्ट किए गए

दृश्यों में एक अधिकारी उनके बैग की जांच कर रहा है और चकली का एक पैकेट और लड्डू वाला एक बॉक्स ढूंढ रहा है, जबकि डिप्टी सीएम हेलीकॉप्टर पर सवार थे। इससे पहले दिन में, महाराष्ट्र भाजपा ने भी एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के बैग की जांच करते हुए दिखाया गया था, और कहा कि केवल दिखावे के लिए संविधान को पकड़ना पर्याप्त नहीं है और किसी को भी संवैधानिक प्रणाली का पालन करना चाहिए। दोनों नेताओं के वीडियो स्पष्ट रूप से शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे के उन दावों को कुंद करने के लिए पोस्ट किए गए थे, जिसमें चुनाव अधिकारियों द्वारा पिछले दो दिनों में उनके बैगों की जांच करने के बाद उन्हें चुनिंदा तरीके से निशाना बनाए जाने का दावा किया गया था। ठाकरे ने दावा किया था कि 20 नवंबर के राज्य विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करने के लिए पिछले दो दिनों में लातूर और यवतमाल जिलों में पहुंचने के बाद चुनाव अधिकारियों ने उनके बैग का निरीक्षण किया था। सेना (यूबीटी) नेता ने यह भी पूछा था कि क्या उनके अभियान के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और सत्तारूढ़ गठबंधन के अन्य वरिष्ठ नेताओं पर भी यही कानून लागू किया जाएगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सोशल मीडिया के प्रभाव से बढ़ रहा मानसिक दबाव!

“ देखा जाए तो एक दूसरे से तत्काल संवाद कायम करने का माध्यम स्मार्टफोन, सोशियल मीडिया और इंटरनेट पर परोसी जाने वाली सामग्री का सर्वाधिक दुष्प्रभाव सीधे हमारी मनोदशा को प्रभावित कर रहा है। तकनीक का इस तरह का दुष्प्रभाव संभवत: इतिहास में भी पहले कभी नहीं रहा है। आज हम हर समस्या का समाधान स्मार्टफोन और इंटरनेट को मानने लगे हैं।

पिछले कुछ सालों से सोशल मीडिया का प्रभाव कुछ समाज पर ज्यादा ही पड़ने लगा है। पर अब ऐसी रिपोर्टें आ रही हैं कि इस मीडिया का प्रभाव अब गलत दिशा में होने लगा है। देखने में आ रहा कि युवाओं की स्वयं की सोचने की शक्ति कम होती जा रही है। अब युवा अपने विचार सोशल मीडिया से प्रभावित होकर करने लगे हैं इससे उनकी मानसिक स्थिती प्रभावित हो रही और वह विचार शून्य हो रहे हैं। देखा जाए तो एक दूसरे से तत्काल संवाद कायम करने का माध्यम स्मार्टफोन, सोशियल मीडिया और इंटरनेट पर परोसी जाने वाली सामग्री का सर्वाधिक दुष्प्रभाव सीधे हमारी मनोदशा को प्रभावित कर रहा है। तकनीक का इस तरह का दुष्प्रभाव संभवत: इतिहास में भी पहले कभी नहीं रहा है। आज हम हर समस्या का समाधान स्मार्टफोन और इंटरनेट को मानने लगे हैं। बच्चा रो रहा है या किसी बात के लिए जिद कर रहा है या चिड़चिड़ा हो रहा है तो माताएं या परिवार के कोई भी सदस्य बच्चें को चुप कराने या मनबहलाव और खास यह कि बच्चे को व्यस्त रखने के लिए मोबाइल संभला देते हैं।

जबकि मोबाइल के दुष्प्रभाव हमारे सामने आने लगे हैं। अमेरिका में पिछले दिनों हुए एक सर्वे में सामने आया कि मोबाइल फोन, टेबलेट, वीडियो गेम या अन्य इस तरह के साधन के उपयोग से गुस्सेल होते जा रहे हैं। मारधाड़, हमेशा गुस्से में रहने, तनाव में रहने और जिद्दी होना आज आम होता जा रहा है। एक अध्ययन में भी साफ हो गया है कि आज गेमिंग, सोशियल मीडिया और ओटीटी प्लेटफार्म के आदी होते जा रहे हैं। इसका परिणाम यह होता जा रहा है कि समाज संवेदनहीन होता जा रहा है। हमेशा तनाव, डिप्रेशन, आक्रामकता, गुस्सेल, बदले की भावना आदि आम है। ऐसे में मनोविज्ञानियों के सामने नई चुनौती आ जाती है। यह असर कमोबेस समान रुप से देखा जा रहा है। यह कोई हमारे देश की समस्या हो, ऐसा भी नहीं हैं अपितु दुनिया के लगभग सभी देषों में यही हो रहा है। अमेरिका में किये गये एक अध्ययन में भी यही उभर कर आया है। कोई दो राय नहीं कि विकास समाज की आवश्यकता है। स्मार्टफोन व इंटरनेट की दुनिया का अपना महत्व है। पॉपकॉर्न ब्रेन को लेकर मनोविज्ञानी और चिकित्सक दोनों ही समान रुप से चिंतित है। सुझाया जा रहा है कि दिन चर्या को नियमित करके समय प्रबंधन को बेहतर बनाकर कुछ हद तक इस समस्या को कम किा जा सकता है। इसके साथ ही सोशियल मीडिया और इलेक्ट्रोनिक गजेट्स पर आवश्यकता से अधिक समय नहीं दिया जाना जरुरी हो जाता है। पर इनके सामने आ रहे दुष्प्रभावों को समझना होगा। और नीति नियंताओं को इससे बचने के उपाय करने होंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

श्रीलंका में चीन पोषित वंशवाद की विदाई

पुष्परंजन

श्रीलंका में दसवीं संसद के लिए मतदान गुरुवार को संपन्न हो गया। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के पदभार ग्रहण करने के बाद गठित होने वाली यह पहली संसद होगी। पिछला संसदीय चुनाव अगस्त, 2020 में आयोजित किया गया था, जब देश कोविड की चपेट में था। इस चुनाव में 196 सांसद मतपत्रों के द्वारा चुने जायेंगे, शेष 29 लोग राष्ट्रीय सूची में नामित किये जायेंगे। इस बार पंजीकृत राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 8821 उम्मीदवार हैं। जिनमें राजनीतिक दलों के 5,464 उम्मीदवार और स्वतंत्र समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाले 3357 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे थे। सबसे अधिक 19 सांसद गम्पाहा जिले से और सबसे कम चार सदस्य त्रिंकोमाली जिले से चुने जाएंगे। प्रमुख उम्मीदवारों में पूर्व विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदास और प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या शामिल हैं। पिछले कुछ दशकों से श्रीलंका की राजनीति पर हावी रहे राजपक्षे भाइयों में से कोई भी इस बार चुनाव नहीं लड़ रहा है। श्रीलंका की राजनीति के लिए यही सबसे बड़ी खबर है।

क्या श्रीलंका से 'डायनेस्टी पॉलिटिक्स' की विदाई हो गई? कम लोगों ने कल्पना की होगी, कि श्रीलंका की राजनीति से परिवारवाद की ऐसी विदाई होगी। एक ऐसा परिवारवाद, जिसे चीन का अभयदान मिला हुआ था। कई वर्षों तक महिंदा के नेतृत्व में राजपक्षे परिवार ने श्रीलंका की राजनीति पर अपनी पकड़ बनाए रखी। अपने पहले कार्यकाल में महिंदा राजपक्षे ने तमिल टाइगर विद्रोहियों के खूनी अंत का नेतृत्व किया था। उस फतह ने उन्हें द्वीप के बहुसंख्यक सिंहली लोगों के बीच एक राष्ट्रीय 'रक्षक' के रूप में स्थापित करने में मदद की। उनके उत्साही समर्थकों ने महिंदा राजपक्षे की तुलना एक चक्रवर्ती सम्राट से की थी। महिंदा राजपक्षे जैसे-जैसे मजबूत होते गए, वैसे-वैसे उनका परिवार भी शक्तिशाली होता गया। उन्होंने अपने छोटे भाई, गोटाबाया को रक्षा मंत्री नियुक्त किया। आलोचकों का कहना है कि गोटाबाया ने इस पद को निर्दयतापूर्वक संभाला। दो अन्य भाई- बेसिल और चमल- क्रमश: वित्त मंत्री और संसदीय अध्यक्ष के पदों पर पहुंचे। बेटा नमल भी मंत्री बना। बाद में गोटाबाया ने 18 नवंबर, 2019 से श्रीलंका के आठवें राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। राजपक्षे परिवार ने सिंहली

राष्ट्रवाद को आधार बनाकर अखंड राज किया। सिंहली राष्ट्रवाद का जलवा था, कि ये लोग वर्षों तक भ्रष्टाचार, आर्थिक कुशासन, मानवाधिकार हनन के आरोपों से बचे रहे।

लेकिन यह सब 2022 में बदल चुका था। बदतर आर्थिक संकट को ये संभाल नहीं पाए। पब्लिक सड़क पर उतर आई। सत्ता, सड़क से नियंत्रित हो रही थी। उन महीनों में सिंहली का लोकप्रिय शब्द 'अरागालय' संघर्ष का उदय हुआ। 13 जुलाई, 2022 को श्रीलंका के राष्ट्रपति के पैलेस में घुस आई भीड़ यह सुनिश्चित कर चुकी थी कि राजपक्षे परिवार खत्म हो गया। लेफ्टिस्ट 'जेवीपी' ने 'अरागालय' के जरिये पूरे देश में अपनी पैठ मजबूत कर ली। उसमें उत्तर और पूर्व के उन हिस्सों को छोड़कर, जहां तमिल बहुसंख्यक हैं। 'जेवीपी' ने इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक समानता हासिल की जानी चाहिए, और देश के व्यापक भ्रष्टाचार और भ्रष्ट राजनीतिक खिलाड़ियों को खत्म किया जाना चाहिए। लेकिन, तब भी परिवारवाद की जड़ें समाप्त नहीं हुई थी। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के देश छोड़कर सिंगापुर चले जाने, और वहीं से इस्तीफा भेज देने के बाद रनिल विक्रमसिंघे राष्ट्रपति बनाये गए, जो अप्रत्यक्ष रूप से राजपक्षे परिवार की मदद कर रहे थे। गोटाबाया राजपक्षे अपमानजनक प्रस्थान के सिर्फ 50 दिन बाद ही वापस श्रीलंका लौट आए। पहले सिंगापुर, और फिर थाईलैंड से वापस लौटने पर, उन्हें एक पूर्व राष्ट्रपति के विशेषाधिकार दिए गए। एक आलीशान बंगला और सुरक्षा, जिसका सारा खर्च सरकार ने उठाया। इतनी मदद के बाद भी रनिल विक्रमसिंघे का भला राजपक्षे परिवार ने नहीं किया। 21 सितंबर, 2024 को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए महिंदा राजपक्षे के बेटे, नमल को उतार दिया गया। चुनाव परिणाम राजपक्षे परिवार के लिए काफी निराशाजनक था। नमल को तीन प्रतिशत भी वोट नहीं मिले। वो चौथे स्थान पर थे, और रनिल विक्रमसिंघे तीसरे पर। छह बार प्रधानमंत्री रह चुके रनिल विक्रमसिंघे 2020 के संसदीय चुनावों में अपनी यूनाइटेड नेशनल पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद पार्टी के एकमात्र सांसद थे। श्रीलंका में विद्रोह के बाद कहने के लिए उन्होंने अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया था। लेकिन उन पर राजपक्षे परिवार की रक्षा करने, उन्हें फिर से संगठित होने की अनुमति देने, और अभियोजन से बचाने का आरोप लगता रहा। हालांकि, इन आरोपों से उन्होंने इनकार किया है।

ट्रंप के नगीने विवेक रामास्वामी के मंसूबे

अरुण नैथानी

वैसे तो यह 'बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना' जैसी हकीकत है। फिर भी हम खुश हो सकते हैं कि केरल से गए एक भारतवंशी की दूसरी पीढ़ी के एक शख्स को, अमेरिका में बड़े बदलावों की जिम्मेदारी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी है। उन्हें दुनिया में क्रांतिकारी औद्योगिक बदलावों के लिये चर्चित स्पेसएक्स, एक्स और टेस्ला के मालिक एलन मस्क के समकक्ष यह जिम्मेदारी दी गई है। वही एलन मस्क जो चुनाव के अंतिम चरण में हर रोज एक लाख डॉलर ट्रंप के पक्ष में हवा बनाने के लिये खर्च कर रहे थे। सरकार गठन से पहले विवेक रामास्वामी को मस्क के साथ डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएन्सी यानी डीओजीई का मुखिया बनाया है। निश्चित रूप से यह महत्वपूर्ण जगह इस भारतवंशी विवेक रामास्वामी ने कड़ी मेहनत और अपनी योग्यता के आधार पर बनायी है। लेकिन इस खुशी के साथ एक विडंबना यह भी है कि वे प्रवासियों के अमेरिका में आने के खिलाफ हैं। विवेक उस एच-1बी वीजा प्रोग्राम को खत्म करना चाहते हैं, जिसके बूते तमाम भारतीय प्रतिभाएं अपनी योग्यता से अमेरिका को सारी दुनिया में महका रही हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने रामास्वामी की नियुक्ति की घोषणा करते हुए उन्हें देशभक्त अमेरिकी की संज्ञा दी। हकीकत में वे कट्टर अमेरिकी राष्ट्रवादी हैं। जिसके लिये उन्हें भारत का नुकसान करने में कोई परहेज नहीं होगा। यही वजह है कि इस बड़ी भूमिका मिलने के बाद उन्होंने तत्काल टिप्पणी भी की, कि हम नरमी से पेश नहीं आने वाले। वे ट्रंप की मंशा को आक्रामकता के साथ लागू करने के लिये प्रतिबद्ध हैं। दरअसल, डीओजीई की भूमिका उन विभागों को खत्म करने या उनमें आमूल-चूल बदलाव करने की है, जो समय के साथ अप्रासंगिक हो चुके हैं। विडंबना यह है कि इन विभागों में शिक्षा के साथ-साथ एफबीआई भी शामिल है। रिपब्लिकन में यह धारणा बन चुकी है कि विगत पांच सालों में एफबीआई डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ काम करती रही है। रिपब्लिकनों का पांचवां हिस्सा भी ऐसा ही मानता है।

ऐसी ही कई सरकारी विभागों तथा एजेंसियों को खत्म करने की दलील रामास्वामी देते रहे हैं। जिसका लक्ष्य है नौकरशाही के अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाकर अर्थव्यवस्था को संबल देना । साथ ही वे कई अन्य संघीय विभागों को भी मौजूदा समय में अनुपयोगी मानते हैं। वे परमाणु नियामक, घरेलू राजस्व सेवा, शिक्षा विभाग व एफबीआई को बंद करने की वकालत करते रहे हैं। निस्संदेह, अरबपति रामास्वामी की उपलब्धियां चौंकाने वाली हैं। सात अरब डॉलर की बायोटेक कंपनी रोयवेंट साइंसेज के संस्थापक रामास्वामी ने बायो टेक्नॉलाजी के जरिये अरबों रुपये कमाये। उनका परिवार कभी केरल से अमेरिका गया था। उनके इंजीनियर पिता वी गणपति रामास्वामी ने नेशनल इंस्टीट्यूट, कालीकट से इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री हासिल की थी। पिता ने अमेरिका में इंजीनियर के तौर पर और मां ने मनोचिकित्सक के तौर पर कार्य किया। विवेक का जन्म केरल मूल के भारतीय माता-पिता के घर ओहायो में हुआ। वे ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी में सर्जन और असिस्टेंट प्रोफेसर पत्नी अपूर्वा व दो बेटों के साथ कोलंबस में रहते हैं।

रामास्वामी के व्यक्तित्व के कई आयाम हैं। वे राजनीति में आने से पहले बहुचर्चित पुस्तकों के लेखक भी रहे। वे अपने को प्रबल अमेरिकी राष्ट्रवादी बताते हैं और अपने सपने पूरे करने के लिये एक सांस्कृतिक आंदोलन की जरूरत भी बताते हैं। जिसके लिये वे 'सेव अमेरिका' अभियान की अगुवाई करते हैं जो डोनाल्ड ट्रंप के चुनावी नारे से मेल भी खाता है। पहले रामास्वामी ने राजनीति में सीधी एंट्री चाही, लेकिन उन्हें इसमें सफलता नहीं मिली। वे बाकायदा रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद की रेस में कूदे, लेकिन शुरुआती नाकामी के बाद अपना इरादा बदल दिया। दरअसल, रामास्वामी अपने जिस एजेंडे को लेकर सुर्खियों में रहते हैं, वो कहीं न कहीं डोनाल्ड ट्रंप की सोच के करीब भी है। मसलन वे नहीं चाहते कि अमेरिका रूस-यूक्रेन संघर्ष को लंबा खींचे। उनका मानना है कि इससे रूस और चीन करीब आकर अमेरिका के लिये बड़ी चुनौती बन सकते हैं। वे रूस के प्रति लचीला रुख अपनाना चाहते हैं। उनका मकसद है कि यह युद्ध समाप्त हो और युद्ध के बाद की भौगोलिक स्थिति को यथास्थिति के रूप में स्वीकार कर लिया जाए। यानी अपने नियंत्रण वाले इलाकों में दोनों पक्षों को मान्यता दे दी जाए।

इसके अलावा रामास्वामी अमेरिकी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में कई बदलावकारी कदम उठाने के पक्षधर हैं। वे कई मंचों से कह चुके हैं कि मतदाता की न्यूनतम उम्र को बढ़ाकर पच्चीस वर्ष कर दी जाए। साथ ही आपातकाल में, राष्ट्रीय सेवा की जरूरतों तथा सेना में छह महीने की सेवा देने वालों को ही 18 साल की उम्र में वोट देने का अधिकार मिले। हालांकि, उनका यह अतिराष्ट्रवादी एजेंडा संविधान बदलाव की लंबी प्रक्रिया के बाद ही संभव है, क्योंकि इसके लिये कांग्रेस में दो-तिहाई बहुमत से ही संविधान संशोधन संभव है।

एक महत्वपूर्ण मुद्दा जिसको लेकर वे लगातार आग्रह करते हैं, वह सोशल मीडिया से बच्चों को दूर रखना। वे इसे लत लगाने वाला नशा बताते हैं। वे मानते हैं कि किशोरों पर इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वे चुनाव अभियान के दौरान बच्चों के सोशल मीडिया प्रयोग पर रोक लगाने की मांग लगातार करते रहे। इसे वे देश के सेहत के लिये अपरिहार्य मानते हैं। बहरहाल, आगामी वर्षों में अमेरिकी शासन-प्रशासन में विवेक रामास्वामी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं।

पेट रखें दुरुस्त दिमाग रहेगा चुस्त

हम अक्सर अपने दिमाग को तेज़ और स्वस्थ बनाए रखने के लिए ढेर सारी सलाह सुनते हैं, लेकिन दिमाग के साथ-साथ हमारे पेट का भी उतना ही महत्व है। पेट और दिमाग का आपस में गहरा संबंध होता है। पेट सही रहेगा तो दिमाग भी सही तरीके से काम करेगा। इसलिए केवल दिमाग को ही नहीं, बल्कि पेट को भी दुरुस्त रखना जरूरी है। पेट को स्वस्थ रखने के लिए सही आहार का चुनाव करना बहुत महत्वपूर्ण है। आइए जानें उन खाद्य पदार्थों के बारे में जो पेट को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं और दिमागी कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं।

प्रोबायोटिक्स

प्रोबायोटिक्स पेट में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं, जो पाचन में मदद करते हैं और पेट की समस्याओं से बचाव करते हैं। दही, छाछ, केफिर, और अन्य प्रोबायोटिक खाद्य पदार्थ पेट की सेहत के लिए लाभकारी होते हैं। इनसे ना केवल पाचन सुधरता है बल्कि मस्तिष्क की कार्यक्षमता भी बेहतर होती है क्योंकि पेट और मस्तिष्क के बीच एक गहरा संबंध होता है।

हल्दी

हल्दी में करक्यूमिन नामक यौगिक पाया जाता है, जो सूजन को कम करने और पाचन क्रिया को दुरुस्त करने में मदद करता है। हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ बनाए रखते हैं। हल्दी का सेवन दूध, सूप, और करी में किया जा सकता है। यह पेट और दिमाग दोनों को सही स्थिति में रखने में सहायक है।

फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ

पेट को दुरुस्त रखने के लिए फाइबर का सेवन बहुत महत्वपूर्ण है। फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे कि दलिया, ओट्स, फल, सब्जियां और दालें पाचन क्रिया को सुधारने में मदद करते हैं। इसके अलावा, फाइबर पेट की सफाई भी करता है, जिससे कब्ज और अन्य पाचन संबंधी समस्याएं नहीं होतीं। यह मस्तिष्क को भी सही पोषण देता है, जिससे मानसिक स्थिति बेहतर रहती है।

आलमंड और अखरोट

आलमंड और अखरोट जैसे नट्स में अच्छे फैट्स, विटामिन-E और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो दिमागी सेहत को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इनसे पेट में भी सही पाचन होता है, क्योंकि इनमें फाइबर और हेल्दी फैट्स होते हैं, जो आंतों की सेहत के लिए फायदेमंद हैं।

पानी और तरल पदार्थ

पेट की सेहत को बनाए रखने के लिए पर्याप्त पानी का सेवन बहुत जरूरी है। पानी से शरीर में अपशिष्ट पदार्थ बाहर निकलते हैं और पाचन प्रणाली ठीक से काम करती है। साथ ही, पानी शरीर को हाइड्रेटेड रखता है, जिससे मानसिक स्थिति भी ताजगी से भरी रहती है। नींबू पानी, नारियल पानी या सूप भी अच्छे विकल्प हैं।

अदरक

अदरक एक प्राकृतिक एंटी-इंफ्लेमेटरी और पाचन बढ़ाने वाला तत्व है। यह गैस्ट्रिक समस्याओं से बचाता है और पेट के दर्द को भी कम करता है। अदरक से बनी चाय या अदरक को भोजन में डालकर सेवन करना पेट और दिमाग दोनों के लिए फायदेमंद है।

साबुत अनाज

साबुत अनाज जैसे कि ब्राउन राइस, क्विनोआ, और गेहूं का आटा पाचन में मदद करते हैं और शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा प्रदान करते हैं। साबुत अनाज में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है जो पेट की सफाई करता है और डाइजेशन को ठीक रखता है।

मेथी

मेथी के बीज पेट के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। ये पाचन तंत्र को सही रखते हैं और गैस, पेट में जलन जैसी समस्याओं से राहत देते हैं। आप मेथी के बीजों को पानी में भिगोकर सेवन कर सकते हैं, जिससे पेट की समस्याओं से राहत मिलती है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी, सरसों, और बथुआ में आयरन, कैल्शियम, और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है। ये न केवल पाचन को सुधारते हैं बल्कि शरीर को जरूरी पोषण भी प्रदान करते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियां पेट के स्वास्थ्य के लिए उत्तम होती हैं।

फल और विटामिन सी

विटामिन सी से भरपूर फल जैसे कि संतरा, आमला, पपीता, और स्ट्रॉबेरी पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं। विटामिन सी पेट के अंदर की सूजन को कम करता है और पाचन को बेहतर बनाता है।

निष्कर्ष पेट और दिमाग दोनों की सेहत एक-दूसरे से जुड़ी होती है। यदि हम अपने पेट का ध्यान रखेंगे तो दिमाग भी स्वस्थ रहेगा। सही आहार से न केवल पेट के अंदर की समस्याओं से छुटकारा मिलेगा, बल्कि दिमाग भी बेहतर तरीके से कार्य करेगा। ऊपर बताए गए आहार को अपने दैनिक जीवन में शामिल करके आप न केवल अपने पेट को दुरुस्त रख सकते हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी ताजगी और ऊर्जा का अनुभव कर सकते हैं।

-मनीष कुमार मौर्य

हंसना मना है

आधी रात को चोर शराब पीकर सड़क पर जा रहा था, एक पुलिस वाले ने रोक कर पूछा कहां जा रहे हो? चोर: दारू पीने से होने वाले नुकसान पर प्रवचन सुनने। पुलिस वाला: इतनी रात को क्या तुम्हारे पिताजी प्रवचन देंगे? चोर: नहीं, साहब बीवी देगी!

टीचर: लड़कियां अगर पराया धन होती है तो लड़के क्या होते है? गप्पू: सर चोर होते है! टीचर: वो कैसे? गप्पू: क्योंकि चोरों की नजर हमेशा पराये धन पर होती है।

हसबैंड: डार्लिंग तुम खुबसूरत होती जा रही हो, पत्नी किचन से: तुमने कैसे जाना ? हसबैंड: तुम्हें देखकर तो अब रोटियां भी जलने लगी हैं।

हसबैंड: आज ऐसी चाय बनाओ कि पीते ही तन बदन झूमने लगे और मन नाचने लगे। पत्नी: हमारे यहां भैंस का दूध आता है नागिन का नहीं।

कहानी — पक्के दोस्त

एक शेर और एक चूहा दोस्त थे। दोनों के घर पास-पास थे। एक दिन शेर को एक शिकार मिला। उसने चूहे को आवाज लगाई आओ दोस्त, मेरे साथ खाना खा लो। तुम्हें जो खाना है खाओ, मुझे इससे ज्यादा जरूरी काम करने हैं। बाहर से आवाज आई। शेर को बड़ा बुरा लगा। अगले ही दिन चूहे को शहद का एक डिब्बा मिला। वह खाने के लिए बैठा तो उसने शेर को आवाज लगाई, दोस्त, आओ मेरे साथ खाना खा लो। बाहर से उत्तर आया, मुझे नहीं खाना है, तुम्हीं खाओ अपना खाना। जा जा जाए साहा आजा खा साहा चछए, शा एछ चूहे को भी बड़ा बुरा लगा। लेकिन उसने कुछ नहीं कहा। दो दिन के बाद दोनों जंगल में मिले। दोनों की दोस्ती इतनी पक्को थी कि खाने वाली बात को भुलाकर वे फिर से एक साथ खेलने लगे। बातों-बातों में दोनों को पता चला कि शेर ने जब चूहे को आवाज लगाई थी तो उसने सुना ही नहीं था। न ही चूहे ने कोई रूखा जवाब दिया था। शेर ने भी यही बात चूहे को बताई। चूहे की आवाज़ न तो उसने सुनी थी, न ही कोई खराब-सा जवाब दिया था। जरूर कुछ गड़बड़ है। दोनों एक साथ बोले। हमको पता लगाना होगा कि कौन हम दोनों की दोस्ती तोड़ने की कोशिश कर रहा है। शेर गुस्से से दहाड़कर बोला। ठीक कहा, कोई तो है, जो हम दोनों को परेशान करना चाहता है। चूहे ने कहा। उनकी बातें छिपकर कोई सुन रहा था। तभी किसी के चुपके से भागने की आवाज़ आई। दोनों ने देखा कि यह तो लोमडी थी, जो भाग रही थी। शेर ने दहाड़कर कहा, रुक जा, नहीं तो मुझसे बुरा कोई नहीं होगा। ऐसा कहकर शेर ने लपककर लोमड़ी को पकड़ लिया। शेर ने चूहे से कहा, दोस्त, आज रात के खाने में मैं एक लोमड़ी पकाने वाला हूँ। रात का खाना तुम मेरे साथ खाना। चूहा बोला, जरूर आऊंगा मैं। ऐसा भोजन तो मैं छोड़ ही नहीं सकता! लोमड़ी घबरा गई। बेचारी माफी माँगने लगी। शेर ने कहा, सो उठक-बैठक करो ओर एक हजार बार बोलो-मैं अब किसी को तंग नहीं करूँगी। लोमड़ी बेचारी क्या करती। अपनी गूलती की सजा तो उसको मिलनी ही थी न। दो घंटे तक वह यही वाक्य दोहराती रही- अब में किसी को तंग नहीं करूँगी। शेर और चूहे की दोस्ती और भी पक्की हो गई। अच्छे दोस्त किसी तीसरे के कहने से अपनी दोस्ती को खुत्म नहीं होने देते।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। लाभदायक सौदे होंगे।

वृषभ — कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

मिथुन — चोरी, चोट व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी।

कर्क — शत्रु परास्त होंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी नए कार्य में भाग लेने के योग हैं।

सिंह — घर-परिवार की चिंता रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जोखिम न लें। अचानक यात्रा के भी अच्छे फल मिलेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी।

कन्या — कम प्रयास से काम बनेंगे। धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे।

तुला — लेन-देन में सावधानी रखें। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अचानक लाभ होगा। धन संबंधी कार्यों में विलंब से चिंता हो सकती है।

वृश्चिक — चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। फालतू खर्च बढ़ेंगे। आवास संबंधी समस्या का समाधान संभव है। आवेश में कोई कार्य नहीं करें।

धनु — पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा दूर होगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा।

मकर — मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ — शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में सावधानी रखें। सुख के साधन जुटेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। अधूरे काम समय पर सफलता से होने पर उत्साह बढ़ेगा।

मीन — दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

बॉलीवुड | विवाद

'बवाल' को लेकर कानूनी मुसीबत में फंसे बादशाह

रैपर बादशाह पर एक मीडिया कंपनी ने केस दर्ज कराया है। कंपनी का आरोप है कि बादशाह ने एक करार के तहत तय फीस का भुगतान नहीं किया है। दरअसल, रैपर के बवाल गाने को लेकर कंपनी का करार हुआ। लेकिन, कंपनी का कहना है कि निर्माण और प्रचार से जुड़ी सभी सेवाएं पूरी करने के बाद भी बादशाह ने कथित तौर पर इस प्रक्रिया में शामिल लोगों को भुगतान नहीं किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ने बादशाह पर आरोप लगाया है कि बार-बार संपर्क करने के बावजूद बादशाह ने केवल झूठे आश्वासन दिए और हकीकत में कोई भुगतान किए बिना भुगतान की डेडलाइन टाल दी। बवाल गाने में बादशाह और अमित उचाना नजर आए हैं। यह गाना काफी लोकप्रिय हुआ है। बादशाह के निजी चैनल पर रिलीज होने के बाद से यूट्यूब पर इसे 15 करोड़ से ज्यादा व्यूज मिले हैं। मीडिया कंपनी का दावा है कि उन्होंने गाने के निर्माण और प्रचार के लिए काफी पैसा खर्च किया। कंपनी का कहना है कि उसकी तरफ से किए गए काम और कोशिशें बादशाह की ब्रांड इमेज चमकाने और सार्वजनिक प्रतिष्ठा को बढ़ाने में मददगार रही हैं। ऐसा पहली बार नहीं है जब बादशाह को कानूनी मुद्दों का सामना करना पड़ा है। पिछले साल, उन्हें ऑनलाइन सट्टेबाजी एप फेयरप्ले को बढ़ावा देने में भागीदारी के लिए महाराष्ट्र पुलिस के साइबर सेल के सामने पेश होना पड़ा था। फैंस के बीच बादशाह काफी लोकप्रिय हैं। उन्होंने हम्टी शर्मा की दुल्हनिया, खूबसूरत, बजरंगी भाईजान, सनम रे, कपूर एंड संस, सुल्तान, बार बार देखो, ऐ दिल है मुश्किल, वीरे दी वेडिंग, लवयात्री, खानदानी शफाखाना, दबंग 3, स्ट्रीट डांसर 3डी, जवान जैसी फिल्मों में गाने गाए हैं। इन दिनों वे इंडियन आइडल 15 में जज की भूमिका निभा रहे हैं।

अब ओटीटी पर रिलीज हुई सिद्धांत चतुर्वेदी की 'युध्रा'

'गली बॉय', 'गहराइयां' और 'खो गए हम कहां' से बॉलीवुड में पहचान बनाने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी की हाल ही में 'युध्रा' सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं कर पाई थी लेकिन फैंस इसकी ओटीटी रिलीज का इंतजार कर रहे थे। वहीं रवि उदयावर द्वारा निर्देशित ये फिल्म अब ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। एक्शन से भरपूर ड्रामा, युध्रा ने सिनेमाघरों में आने से पहले दर्शकों के बीच काफी बज क्रिएट कर दिया था। एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी द्वारा प्रोड्यूस ये फिल्म 20 सितंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी और इसे क्रिटिक्स के साथ-साथ दर्शकों से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था। हालांकि फिल्म की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस काफी निराशाजनक रही थी लेकिन सिद्धांत चतुर्वेदी और राघव जुयाल की एक्टिंग की खूब तारीफ हुई थी। वहीं अब ये फिल्म ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। बता दें कि ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो के मेंबर्स शुक्रवार से भारत और दुनिया भर के 240+ देशों और क्षेत्रों में इस एक्शन थ्रिलर को स्ट्रीम कर सकते हैं। प्राइम वीडियो, जो भारत में सबसे पॉपुलर एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म है, ने युध्रा की एक्सक्लूसिव स्ट्रीमिंग शुरू करने की घोषणा की है। इस फिल्म को उसकी रोमांचक कहानी, जबरदस्त एक्शन सीन और टैलेंटेड कास्ट के बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए तारीफ मिली है। युध्रा में हर मोड़ पर सरप्राइज है, और इसकी कहानी में ऐसी एनर्जी है जो लगातार बनाए रखती है।

अब निखिल द्विवेदी की फिल्म में नागिन बनेंगी श्रद्धा कपूर!

स्त्री 2 की धमाकेदार कमाई के बाद श्रद्धा प्रशंसकों की ही नहीं बल्कि फिल्म निर्माताओं और निर्देशिकों की भी पसंदीदा बन गई हैं, यही वजह है कि स्त्री 2 में पिशाचिनी का किरदार निभाने के बाद अब श्रद्धा नागिन के किरदार में नजर आएंगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म निर्माता निखिल द्विवेदी की आगामी फिल्म में श्रद्धा कपूर नागिन की भूमिका में नजर आएंगी। बहरहाल, फिल्म नागिन में श्रद्धा के अपोजिट कौन सा अभिनेता होगा। यह तय होना अभी बाकी है। वहीं श्रद्धा अपनी फिल्म नागिन की शूटिंग अगले साल शुरू करेंगी और इसकी रिलीज डेट तय की जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नागिन फिल्म के निर्माता निखिल ने बताया कि स्क्रिप्ट को लिखने में उन्हें तीन साल लगे और इसे तीन बार फिर से लिखा गया। हालांकि, अब यह तैयार है। अब सिर्फ श्रद्धा को लेकर उनका नागिन लुक तैयार किया जा रहा है। आगे निखिल ने कहा कि कास्टिंग शुरू से ही तय हो गई थी क्योंकि श्रद्धा बेहतरीन अभिनेत्री हैं। उन्होंने आगे कहा, 卐श्रद्धा इसके लिए तैयार हो गईं। वह सबसे पहले इस पर सहमत हुई। मैंने सबसे पहले नागिन के लिए श्रद्धा से संपर्क किया था और वह इसके लिए तैयार हो गईं। इस फिल्म के लिए बेहद उत्साहित हैं श्रद्धा। अब जब स्क्रिप्ट तैयार है, तो वह शूटिंग शुरू करने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं।

श्रद्धा कपूर की हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े। फिल्म इस साल की ब्लॉकबस्टर हिट की लिस्ट में शुमार है। लेकिन अब प्रशंसक श्रद्धा की अगली फिल्म नागिन की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म में श्रद्धा के अपोजिट कौन सा अभिनेता होगा, यह तय होना अभी बाकी है।

अजब-गजब | मुंबई शहर से बड़ा है यह एयरपोर्ट

ये एयरपोर्ट हर साल हैंडल करता है एक लाख 25 हजार टन कार्गो

दुनिया में कई ऐसे एयरपोर्ट हैं जो इतने बड़े हैं कि वहां पर अगर आप जाएं तो शायद गुम ही हो जाएं। इसी वजह से कई एयरपोर्ट्स को तो शहर के बाहर ही बसाया गया, जिससे उन्हें बड़े एरिया में बनाया जा सके। पर क्या आप जानते हैं कि दुनिया में सबसे छोटा एयरपोर्ट कौन सा है? आज हम जिस एयरपोर्ट के बारे में बताने जा रहे हैं, वो इतना बड़ा है कि उसके सामने मुंबई शहर भी बेहद छोटा है। शायद ही आप उसका नाम जानते होंगे।

हम जिस एयरपोर्ट की बात कर रहे हैं, उसका नाम है किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट जो साउदी अरब के दम्माम में मौजूद है। आपको जानकर हैरानी होगी कि ये एयरपोर्ट 776 वर्ग किलोमीटर बड़ा है। वहीं मुंबई का क्षेत्रफल 603.4 वर्ग किलोमीटर बड़ा है। इस लिहाज से ये एयरपोर्ट मुंबई शहर से भी बड़ा है। किंग फहद अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का नाम किंग फहद बिन अब्दुलअजीज अल साउदी के नाम पर पड़ा है जो साउदी अरब के पूर्व राजा थे।

ये एयरपोर्ट 1999 में शुरू हुआ था। कुछ न्यूज रिपोर्ट्स के अनुसार हर साल इस एयरपोर्ट पर करीब 2 करोड़ लोग आते हैं। यात्रियों के हिसाब से ये एयरपोर्ट दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। ये एयरपोर्ट हर साल 1 लाख 25 हजार टन कार्गो हैंडल करता है। इस एयरपोर्ट में एक मस्जिद भी है, जिसमें करीब 2 हजार लोग आ सकते हैं। एयरपोर्ट पर दो पैरलल रनवे हैं जिनकी लंबाई 4 हजार मीटर और चौड़ाई 60 मीटर तक है। इस रनवे में दो बड़े प्लेन, एयरबस ए340-600 और बोइंग 747-400 तक आ सकते हैं।

अपनी कारों को पन्नियों में लपेटकर बिजली के खंबे से बांध रहे लोग!

आपने लोगों ने गिफ्ट्स को पन्नियों में पैक करते देखा होगा। कई बार लोग जब एक जगह से दूसरी जगह सामान शिफ्ट करते हैं तो भी सामान को पन्नियों में पैक कर ले जाते हैं। लेकिन क्या आपने कारों को पन्नियों में रैप करते देखा है। दरअसल, सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें वायरल हो रही है। उन तस्वीरों में देख जा सकता है कि लोगों ने अपनी कारों को पन्नियों में पैक किया हुआ है। इतना ही नहीं पन्नियों में कारों को रैप करने के बाद उन्हें बिजली के खंबों से भी बांधकर रखा है। जानते हैं कि यह कहां और क्यों हो रहा है।

एक वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, सोशल मीडिया पर पन्नियों में लिपटी कारों की जो तस्वीरें वायरल हो रही हैं, वे स्पेन की हैं। दरअसल, स्पेन में पिछले कुछ दिनों से भयंकर तूफान और बाढ़ ने लोगों का जीना हराम कर दिया है। दाना नाम के इस तूफान के कारण वहां अब तक करीब 200 लोगों की मौत हो गई है। इस बीच ट्विटर पर एक फोटो वायरल हो रही है, जिसमें एक ग्रे मर्सीडीज कार की फोटो वायरल हो रही है। इस फोटो में कार को प्लास्टिक की पन्नी में लपेट दिया गया है और रस्सी से कार को लैंप पोस्ट से बांध दिया गया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, ये फोटो स्पेन के मलागा की है, जहां दाना को लेकर रेड अलर्ट है। इस तूफान को देखकर एक शख्स को अपनी कार की हिफाजत करने का विचित्र तरीका निकाला। लोगों को मलागा में घर से निकलने के लिए मना कर दिया है। पूरे इलाके के स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है। घरों से लोगों को निकाल दिया गया है क्योंकि पहले सैकड़ों लोगों की अलग-अलग इलाकों में मौत हो चुकी है।

दरअसल, ज्यादा बाढ़ और तूफान की वजह से कार बह सकती हैं और उनके अंदर पानी घुस सकता है। इसी वजह से लोग अपनी कारों को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें पन्नी से बांध रहे हैं। कुछ दिनों पहले बाढ़ की वजह से स्पेन के वैलेंसिया में कारें रोड पर बह गई थीं, जिसे बचाना नामुमकिन हो गया था।

भाजपा ने किसानों से की वादा खिलाफी : राहुल

» नेता प्रतिपक्ष बोले- महाराष्ट्र के किसानों के लिए एमवीए उठाएगा ऐतिहासिक कदम

» कांग्रेस ने की मणिपुर में अफस्पा को फिर से लागू करने की निंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी महाराष्ट्र में चुनावी प्रचार अभियान के दौरान वहां के किसानों की बदहाली का मुद्दा उठाया। उन्होंने सत्तारूढ़ महायुति सरकार की आलोचना करते हुए दावा किया था कि महाराष्ट्र ने केवल 3,888 मीट्रिक टन सोयाबीन खरीदा है, जबकि तेलंगाना ने लगभग 25,000 मीट्रिक टन सोयाबीन खरीदा है। कांग्रेस ने कहा कि यह उनके बीच का अंतर है जो किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा जो अपनी जेब और सत्ता के लिए प्रतिबद्ध हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि महा विकास आघाडी (एमवीए) सोयाबीन के लिए 7,000 रुपए प्रति क्विंटल और बोनस तय करके महाराष्ट्र के किसानों के लिए ऐतिहासिक कदम उठाने जा रहा है।

गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एमवीए हमारे किसानों को उनके अधिकार, कड़ी मेहनत का फल और न्याय दिलाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि एमवीए प्याज के लिए उचित मूल्य और कपास के लिए सही न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय करने के लिए एक समिति बनाएगा। मणिपुर के छह पुलिस थाना क्षेत्रों में सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (अफस्पा) को पुन: लागू किए जाने की मणिपुर कांग्रेस और अन्य क्षेत्रीय संगठनों ने कड़ी निंदा की है। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख कैशम मेघचंद्र ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि यह राज्य में चल रही उथल-पुथल को दूर करने में केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की विफलता का स्पष्ट संकेत है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, जिरीबाम और कांगपोकपी जैसे जिलों में अफस्पा को फिर से लागू करना, 18 महीने की अशांति के बाद शांति बहाल करने में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की अक्षमता को दर्शाता है। जिन पुलिस थाना क्षेत्रों में अफस्पा को फिर से लागू किया गया है, वे हैं इंफाल पश्चिम जिले में सेकमाई और लमसांग, इंफाल पूर्वी जिले में लमलाई, जिरीबाम जिले में जिरीबाम, कांगपोकपी में लीमाखोंग और बिष्णुपुर में मोइरांग। मेघचंद्र ने आगे चिंता व्यक्त की कि इस कदम से पूरे मणिपुर में अफस्पा लागू करने का रास्ता साफ हो सकता है, जिससे स्थानीय लोगों में भय बढ़ जाएगा।

मणिपुर की अखंडता पर समन्वय समिति के शीर्ष निकाय ने भी इस फैसले का कड़ा विरोध किया है। सीओसीओएमआई के प्रवक्ता के. अथौबा ने अफस्पा को दोबारा लागू करने के पीछे के औचित्य पर सवाल उठाया तथा केंद्र से यह स्पष्ट करने का आग्रह किया कि यह अधिनियम शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने में किस प्रकार मदद करेगा।

भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों से सब निराश

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि पिछले तीन चुनावों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सोयाबीन के लिए 6,000 रुपए एमएसपी देने का वादा कर रही है, लेकिन आज भी किसान अपनी मेहनत से उगाए गए सोयाबीन को 3,000-4,000 रुपए में बेचने को मजबूर है। इससे पहले गांधी ने दावा किया था कि महाराष्ट्र के सोयाबीन और कपास उत्पादक किसान भाजपा नीत सरकार की किसान विरोधी नीतियों के कारण निराश है। कांग्रेस नेता ने वादा किया था कि राज्य में सरकार बनने के बाद विपक्षी गठबंधन इंडिया उनके मुद्दों का समाधान करेगा।

किसानों की सुनीं समस्याएं

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए महाराष्ट्र के सोयाबीन और कपास किसानों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। राहुल गांधी को सोयाबीन और कपास उत्पादक किसानों की एक रैली को संबोधित करने के लिए चुनावी राज्य महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के खिखली का दौरा करना था।

केंद्र पर निर्भरता घटाने के उपायों पर करेंगे विचार : उमर

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और राजस्व सृजन पर ध्यान केंद्रित करते हुए आर्थिक एवं वित्तीय प्रगति पर चर्चा की, ताकि केंद्र पर निर्भरता घटाई जा सके। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उनकी यह बैठक इसलिए मायने रखती है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) नीत सरकार छह साल के केंद्रीय शासन की समाप्ति के बाद, अपना पहला बजट पेश करने वाली है। नेकां ने सीतारमण और अब्दुल्ला की मुलाकात की एक तस्वीर एक्स पर पोस्ट की। पार्टी ने कहा, जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट मामलों की कैबिनेट मंत्री से मुलाकात की। चर्चा जम्मू कश्मीर की आर्थिक और वित्तीय प्रगति के इर्द-गिर्द केंद्रित रही। अधिकारियों ने बैठक को बहुत सकारात्मक बताया और कहा कि मुख्यमंत्री ने जम्मू कश्मीर की वित्तीय स्थिति और राजस्व सृजन करने के उपायों पर चर्चा की, ताकि केंद्र सरकार पर निर्भरता घटाई जा सके। अब्दुल्ला ने बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी में निवेश की आवश्यकता के बारे में भी बात की, इससे जम्मू-कश्मीर को निवेश गंतव्य के रूप में बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने खासकर पर्यटन, कृषि और बागवानी जैसे क्षेत्रों में निवेश तथा रोजगार सृजन पर जोर दिया।

ईमानदारी से चुनाव होने पर सभी सीटें हारेगी भाजपा: इमरान मसूद

» बोले- सनातन बोर्ड की मांग अनुचित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश की 9 सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सहारनपुर सीट से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने दावा किया है कि यदि चुनाव ईमानदारी से हुए तो भाजपा को सभी सीटों पर हार का सामना करना पड़ेगा। वक्फ बोर्ड के मुद्दे पर मसूद ने कहा कि वक्फ बोर्ड से संबंधित जो बिल लाया गया है, वह पूरी तरह से गैर-संवैधानिक है।

मसूद ने संविधान की धाराओं का हवाला देते हुए कहा कि ये धाराएं नागरिकों को धार्मिक कृत्य करने, शैक्षिक संस्थानों के संचालन और संपत्ति प्रबंधन की स्वतंत्रता देती हैं। वक्फ बोर्ड के लिए लाया गया यह बिल इन संवैधानिक धाराओं के खिलाफ है और

इसे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। सनातन बोर्ड के गठन की मांग के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह एक नई और अनुचित मांग है। यदि सनातन बोर्ड बनेगा, तो क्या आप तिरुपति मंदिर, बद्रीनाथ मंदिर जैसे स्थानों की संपत्तियों को भी एकत्रित कर उसका प्रबंधन करेंगे? उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह कानून लागू हुआ, तो वक्फ बोर्ड जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाएगी।

दिल्ली को गैस चैंबर बनाने के लिए कौन जिम्मेदार : देवेंद्र यादव

» कांग्रेस का आप सरकार पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण को नियंत्रित करने में आतिशी सरकार पूरी तरह से विफल साबित हुई है। आप सरकार को लोगों के इस सवाल का जवाब देना होगा कि दिल्ली को गैस चैंबर में तब्दील करने के लिए जिम्मेदार कौन है? उन्होंने कहा कि दिल्ली प्रदूषण आलम यह है कि लोग ठीक से सांस तक नहीं ले पा रहे हैं। दिल्ली में एक्यूआई 450 से ज्यादा होने के बाद एयर क्वालिटी मेनेजमेंट कमीशन को ग्रैप-3 लागू करना पड़ा।

यादव ने कहा कि चिंताजनक है कि

वायु प्रदूषण के हालात लगातार खराब हो रहे हैं, सरकारें कुछ करने में नाकाम साबित हुई है। देवेंद्र यादव ने कहा कि प्रदूषण के जहरीली होती हवा के बाद प्राईमरी क्लास तक स्कूल बंद कर क्लास ऑनलाईन मोड में लेने को कहा गया है। ग्रैप-3 के बाद सड़कों पर उड़ती धूल पर नियंत्रण पाने में विफल सरकार अब डीजल वाहनों पर सख्ती से प्रतिबंध के साथ बीएस-3 पेट्रोल वाहनों पर रोक रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार की नाकामियों के कारण दिल्ली की जनता को सफर करना पड़ेगा। दिल्ली वालों के हितों की इस सरकार को चिंता नहीं है।

दिल्ली के मजदूर हुए बेरोजगार

देवेंद्र यादव ने कहा कि प्रदूषण में सहायक पेंटिंग, वेल्डिंग, गैस कटिंग, सड़कों की सफाई, झाड़ू लगाने, बिल्डिंग ढहाने, छतों पर वाटरप्रूफिंग के काम, टाईल कटिंग, ग्राईंडिंग, सिमेंट प्लास्टर, सड़क निर्माण रिपेयरिंग काम, ईंट की चिनाई के काम पर पूरी तरह से रोक लगाने के बाद मजदूर बेरोजगार हो गए हैं। सरकार मजदूरों को सहायता राशि देने का प्रावधान करें, सरकार की विफलता के कारण ही ग्रैप-3 को लागू करना पड़ रहा है।

भारत की टी-20 में तीसरी सबसे बड़ी जीत

» अफ्रीका को 135 रनों से हराकर 3-1 से सीरीज पर जमाया कब्जा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जोहान्सबर्ग। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को चौथे टी20 मैच में 135 रनों से हरा दिया। इसी के साथ भारतीय टीम ने 3-1 से सीरीज पर कब्जा जमा लिया। जोहान्सबर्ग में खेले गए इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने संजू सैमसन और तिलक वर्मा की शतकीय पारियों की बदौलत 20 ओवर में एक विकेट पर 283 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका 18.2 ओवर में 10 विकेट पर 148 रन ही बना सकी।

रनों के हिसाब से यह भारत की रनों के हिसाब से सबसे बड़ी जीत है। पिछले साल भारतीय टीम ने अपने घर में न्यूजीलैंड को 168 रन से हराया था। इससे पहले 2018 में आयरलैंड को 143 रन से मात दी थी। अब टीम ने 135 रनों से हराकर टी20 की अपनी तीसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज कर ली।

तिलक लगातार दो शतक लगाने वाले बने पांचवे बल्लेबाज

तिलक ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दूसरे मैच में शतक जड़ा और वह एक खास सूची में शामिल हो गए। तिलक दुनिया के पांचवें ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में लगातार दो मैच में शतक लगाया है। तिलक से पहले फ्रांस के गस्टव मैकॉन, दक्षिण अफ्रीका के रिली रोसोयू, इंग्लैंड के फिल सॉल्ट और भारत के संजू सैमसन ऐसा कर चुके हैं। वहीं तिलक ने 41 गेंद में शतक लगाकर सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गये है। 35 गेंद पर शतक लगाकर रोहित शर्मा पहले नंबर पर हैं।

संजू एक वर्ष में 3 शतक बनाने वाले बने पहले खिलाड़ी

संजू सैमसन एक कैलेंडर वर्ष में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने इस सीरीज में दूसरा शतक जड़ा। इसके अलावा उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में केएल राहुल को पीछे छोड़ दिया। केएल ने दो शतक लगाए। वहीं, संजू सैमसन के अब तीन शतक हो गए हैं।

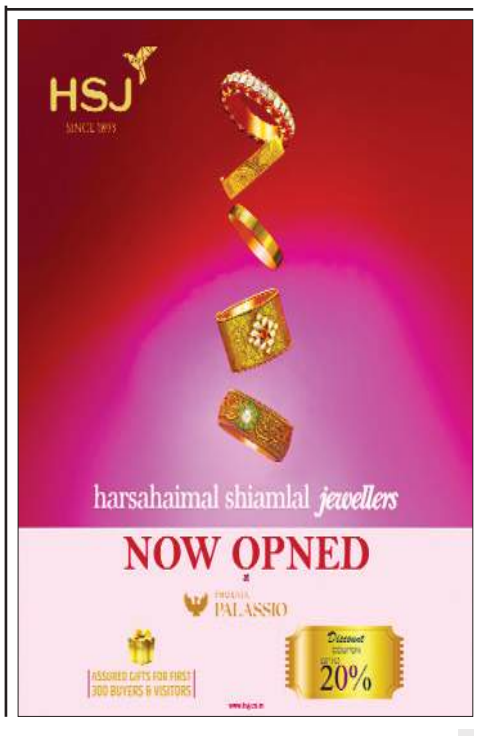

अजित ने फेंकी फिर सियासी गुगली, घबराई भाजपा

विलासराव सबसे अच्छे सीएम का बयान दे बढ़ा दी टेंशन, डिप्टी सीएम ने महायुति की जीत का किया दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार ने महायुति की जीत का दावा किया है पर अपने बयानों से वह भाजपा को परेशान भी कर रहे हैं। जहां वह यूपी के सीएम योगी के बंटोंगे तो कटोगे को गलत ठहरा चुके है वहीं राज्य के दो बार मुख्यमंत्री बने विलासराव देशमुख की तारीफ करके सभी को चौंका दिया।

अजित पवार ने कहा कि विलासराव सबसे अच्छे सीएम थे, उन्होंने गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने के लिए रणनीति विकसित की थी। अजित पवार का यह बयान ऐसे वक्त पर आया है जब राज्य में चुनाव प्रचार अंतिम दौर में है। अजित पवार ने अपने पुराने बयान से यू टर्न लिया। उन्होंने कुछ दिन पहले कहा था कि 2019 में नई दिल्ली में एक बैठक हुई थी जिसमें गौतम अडानी, प्रफुल्ल पटेल, गृह मंत्री अमित शाह, शरद पवार, देवेंद्र फडणवीस और आप शामिल हुए थे। पवार ने कहा कि बैठक हुई थी, लेकिन अडानी इसमें शामिल नहीं हुए। अजित पवार के बयान के बाद शरद पवार ने अडानी की उपस्थिति की पुष्टि की थी।

राज्य स्तर पर एक पार्टी की सरकार की कोई संभावना नहीं

राष्ट्रीय स्तर या राज्य स्तर पर एक पार्टी की सरकार की कोई संभावना नहीं है। अजित पवार ने कहा कि नतीजे आने के बाद महायुति विधायक दल की बैठक में सीएम का फैसला होगा। विलासराव देशमुख का परिवार कांग्रेस में है। उनके बेटे रितेश देशमुख ने पिछले दिनों प्रचार के लिए लातूर पहुंचे थे।

मेरा फोकस चुनावों पर है

अजित पवार ने कहा कि मेरा पूरा ध्यान विधानसभा चुनावों पर है। विधानसभा चुनावों का नतीजा क्या होगा? महायुति एकजुट होकर चुनाव लड़ रही है। इसे 175 का आंकड़ा पार करना मुश्किल नहीं होना चाहिए। पवार ने कहा कि वह पारिवारिक मामलों पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। अजित पवार ने हम लाडली बहन और अन्य योजनाओं को अक्षरशः लागू करेंगे। हमने सभी योजनाओं के लिए 76,000 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया है। हमारा कुल बजट परिव्यय 6.5 लाख करोड़ रुपये है, जबकि वेतन, पेंशन और ऋण पर ब्याज पर व्यय 3.5 लाख करोड़ रुपये है। अजित पवार ने कहा कि महायुति द्वारा घोषित योजनाओं के लिए सरकार के पास पर्याप्त धन है लेकिन एमवीए के लिए अपने द्वारा दी गई पांच गारंटियों को लागू करना संभव नहीं होगा क्योंकि गारंटियों की कुल लागत 3.5 लाख करोड़ रुपये होगी। हमने अपना राजस्व जुटाने के लिए कमर कस ली है और जीएसटी जुटाने, पंजीकरण पर स्टांप शुल्क और शराब उत्पादों पर उत्पाद शुल्क बढ़ाएंगे।

महाराष्ट्र और केंद्र सरकार को अस्थिर करना चाहता है विपक्ष : देवेंद्र फडणवीस

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम व गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आरोप लगाया कि मतदाताओं का ध्रुवीकरण करके भाजपा के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार और केंद्र सरकार दोनों को अस्थिर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने लड़की बहिन योजना जैसी महायुति सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की समावेशी प्रकृति पर जोर दिया और कहा कि वे धर्म की परवाह किए बिना सभी समुदायों को पूरा करती हैं। वीडियो में की गई कथित अपील का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, कुछ लोग चुनाव के दौरान धर्म के आधार पर मतदाताओं के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि लड़की बहिन योजना जैसी पहल एमवीए द्वारा कथित रूप से अपनाए गए विभाजनकारी एजेंडे के विपरीत, केवल एक विशेष धर्म की नहीं, बल्कि सभी महिलाओं को लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई है। विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए, फडणवीस ने कांग्रेस, शरद पवार और उद्धव ठाकरे पर तुष्टिकरण की राजनीति में लिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि उनकी रणनीतियाँ मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के लिए बनाई गई थीं, जो कि समान विकास के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता के विपरीत थी। फडणवीस ने कथित तौर पर उलेमा काउंसिल द्वारा एमवीए को सौंपे गए 17-सूत्रीय चार्टर पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कुछ मांगों को खतरनाक बताया, जिसमें मुसलमानों के लिए प्रस्तावित 10 प्रतिशत आरक्षण और 2012 और 2024 के बीच दंगों में शामिल मुस्लिम युवाओं के खिलाफ मामले वापस लेना शामिल है।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों पर बड़ा एक्शन

सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में पांच हुए ढेर

» दोनों तरफ से रुक-रुक कर हो रही है गोलीबारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच बड़ी मुठभेड़ की खबर सामने आई है। राज्य के नारायाणपुर जिले के सीमावर्ती नक्सल प्रभावित इलाके अबूझमाड़ में सुरक्षा बलों और नसक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार इस मुठभेड़ में 5 नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया गया है। खबर है कि मुठभेड़ अभी भी जारी है। दोनों पक्षों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। मुठभेड़ के बाद जवानों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरु कर दिया है। इलाके में तलाशी अभियान जारी है। जानकारी के अनुसार अभी तक से सर्च अभियान में पुलिस के हाथ एक स्वचालित राइफल लगी है। इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों के घायल होने की भी खबर है। अभी तक की जानकारी के अनुसार इस मुठभेड़ में पुलिस के भी दो जवान घायल हुए हैं। दोनों घायल जवानों को मुठभेड़ की जगह से सुरक्षित निकालने के लिए बचाव अभियान की शुरूआत की जा चुकी है। दोनों पक्षों में मुठभेड़ जारी है और रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है।

तेजपात का पत्ता हर किसी को रास नहीं आता : आदित्य

» उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पर बरसे सपा सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद की कुंदरकी विधानसभा सीट पर चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सपा मुस्लिम मतदाताओं को बिरयानी में तेज पत्ते की तरह इस्तेमाल करती है। इस पर समाजवादी के सांसद आदित्य यादव ने कहा कि तेजपात का पत्ता हर किसी को रास नहीं आता है ज्यादा हो जाये तो रेसिपी गड़बड़ हो जाती है और पेट भी खराब हो जाता है।

सपा सांसद ने आगे कहा कि, भाजपा कभी मुसलमानों का साथ दे ही नहीं सकती, जैसे नेता जी मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव ने मुसलमानों का सहयोग किया था. अगर भाजपा ऐसे एक घंटे के लिए भी सहयोग दे दे तो मैं समझूंगा बहुत बड़ी बात होगी। लेकिन ऐसे दिली तौर पर भाजपा कभी मुसलमानों का साथ नहीं दे सकती।

भाजपा चुनाव के समय मे सिर्फ मुसलमानों का इस्तेमाल करना चाहती है, भाजपा वाले अगर मुसलमानों के हितैषी हैं तो बतायें की वह विधानसभा और लोकसभा मे कितने मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करा रहे हैं. कितने मुसलमान नेताओं को उन्होंने मंत्री बनाकर यह प्रयास किया कि मुस्लिम समाज का हम भला कर सकें।

सपा सांसद ने कहा कि, आज कुंदरकी में जब चुनाव हो रहा है जहां मुस्लिम बहुल संख्या में हैं तो वो लोग जो कभी कपड़ो के पहनावे से पहचान लेने की बात करते थे। आज वही लोग वही पहनावा पहन कर घूम रहे है, ये समय बता रहा है कि हार का कितना डर उन्हें सता रहा है. मुसलमानों को ये लोग हमेशा इंगित करते रहे हैं।

भाजपा चुनाव हार रही है

भाजपा चुनाव हार रही है इसलिए वह ऐसे बयान दे रहे हैं। सपा सांसद ने कहा कि कुंदरकी में लोगों का समर्थन हमेशा समाजवादी पार्टी के साथ रहा है और यहां से समाजवादी पार्टी लगातार जीतती रही इस बार भी यहां पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी हाजी मोहम्मद रिजवान भारी मतों से जीत हासिल करेंग।

दूल्हा-दुल्हन समेत सात की सड़क हादसे में मौत

हादसे का शनिवार : तेज रफ्तार कार ने थ्री व्हीलर को पीछे से मारी टक्कर

» हादसे में जान गंवाने वाले सभी झारखंड में शादी कर वापस आ रहे थे अपने गांव तिबड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिजनौर। बिजनौर के धामपुर क्षेत्र में शनिवार सुबह घने कोहरे के कारण सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। यह हादसा धामपुर के देहरादून नैनीताल नेशनल हाईवे पर एक तेज रफ्तार कार द्वारा थ्री व्हीलर को पीछे से टक्कर मारने के कारण हुआ। हादसे में थ्री व्हीलर के चालक सहित सात लोगों की मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले सभी झारखंड में शादी कर वापस अपने गांव तिबड़ी आ रहे थे।

जानकारी के अनुसार, एक ही परिवार के 6 लोग झारखंड से शादी करने के बाद अपने गांव धामपुर तिबड़ी आ रहे थे। यह शादी विशाल नाम के युवक की थी। ये लोग ट्रेन से मुरादाबाद आए और फिर एक थ्री व्हीलर कर अर्धरात्रि के बाद गांव जा रहे थे। जब वह धामपुर नगीना मार्ग पर फायर स्टेशन के पास पहुंचे तो पीछे से क्रेटा कार ने टक्कर मार दी। इन सभी 6 लोगों की उपचार के लिए अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। मृतकों में खुर्शीद 65, उनका बेटा विशाल 25, पुत्रवधू खुशी 22 के अलावा मुमताज पत्नी रूबी और पुत्री 10 वर्षीय बुशरा भी शामिल हैं।परिवार के 6 लोगों के अलावा थ्री व्हीलर चालक की भी इलाज के लिए बिजनौर ले जाते हुए मौत हो गई। हादसे में घायल क्रेटा सवार शेरकोट निवासी सोहेल अल्वी व अमन को चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। एसपी अभिषेक झा ने दुर्घटना की जानकारी देते हुए कहा, थाना धामपुर क्षेत्र में तड़के सुबह यह जानकारी प्राप्त हुई कि एक क्रेटा गाड़ी और एक ऑटो के बीच टक्कर हुई है।

क्रेटा किसी अन्य वाहन को ओवरटेक कर रही थी और उसने अचानक अपना प्लेन चेंज किया और तेज स्पीड के साथ ऑटो को टक्कर मारी। ऑटो में सवार सात व्यक्ति थाना धामपुर क्षेत्र के ही रहने वाले हैं और मुरादाबाद रेलवे स्टेशन से लौट रहे थे। उनमें से छह व्यक्तियों की उसी समय मृत्यु हो गई थी और ऑटो चालक की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। लोगों के परिजनों को सूचना दे दी गई है और सभी शवों का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है और परिजनों को यथासंभव सहायता प्रदान की जा रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।